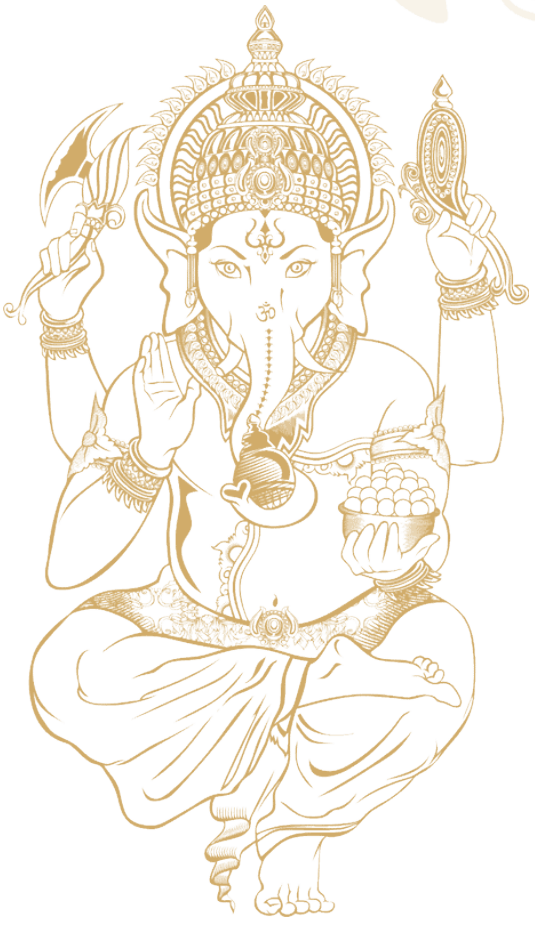

Dnyanesh

Aparnaa

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121251404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/09/1989	जन्म तिथि	11/08/1999
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 21:25:00	जन्म समय	23:00:00 घंटे
घटी 37:47:17	जन्म समय(घटी)	42:09:39 घटी
India	देश	India
Dhullia	स्थान	Burhanpur
20:53:00 उत्तर	अक्षांश	21:18:00 उत्तर
74:50:00 पूर्व	रेखांश	76:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:40	स्थानिक संस्कार	-00:25:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:05	सूर्योदय	06:02:23
18:32:42	सूर्यास्त	18:58:40
23:42:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:54

विंशोत्तरी शनि 0वर्ष 2मा 13दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 2वर्ष 3मा 20दि	
शुक्र		24:44:12	मेष	लग्न	मेष	12:13:31	शुक्र	
30/11/2013		00:02:23	कन्या	सूर्य	कर्क	24:45:33	**01/12/2008**	
30/11/2033		16:31:27	मीन	चंद्र	कर्क	28:11:26	**01/12/2028**	
शुक्र	31/03/2017	04:22:52	कन्या	मंगल	तुला	23:08:41	शुक्र	01/04/2012
सूर्य	31/03/2018	15:35:14	कन्या व	बुध	कर्क	06:28:39	सूर्य	02/04/2013
चन्द्र	30/11/2019	14:22:16	मिथु	गुरु	मेष	10:50:40	चन्द्र	01/12/2014
मंगल	29/01/2021	11:06:37	तुला	शुक्र व	सिंह	08:10:53	मंगल	01/02/2016
राहु	30/01/2024	13:36:31	धनु	शनि	मेष	23:02:13	राहु	31/01/2019
गुरु	30/09/2026	01:53:50	कुंभ व	राहु व	कर्क	19:07:06	गुरु	01/10/2021
शनि	30/11/2029	01:53:50	सिंह व	केतु व	मक	19:07:06	शनि	01/12/2024
बुध	30/09/2032	07:38:23	धनु	हर्ष व	मक	20:48:36	बुध	02/10/2027
केतु	30/11/2033	15:53:55	धनु व	नेप व	मक	08:41:30	केतु	01/12/2028
		19:29:56	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	13:54:15		

लग्न-चलित

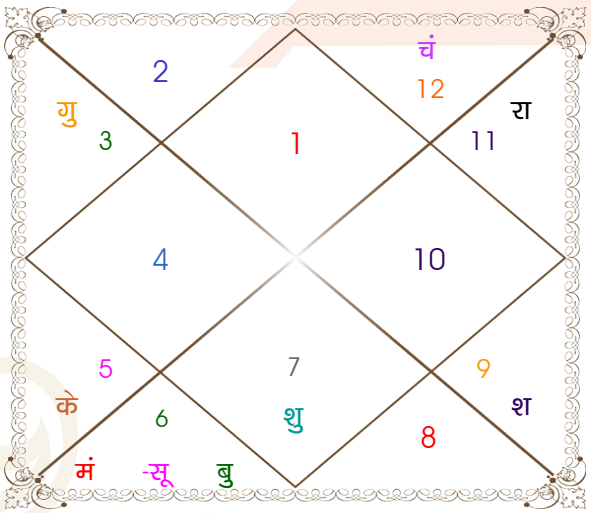

लग्न-चलित

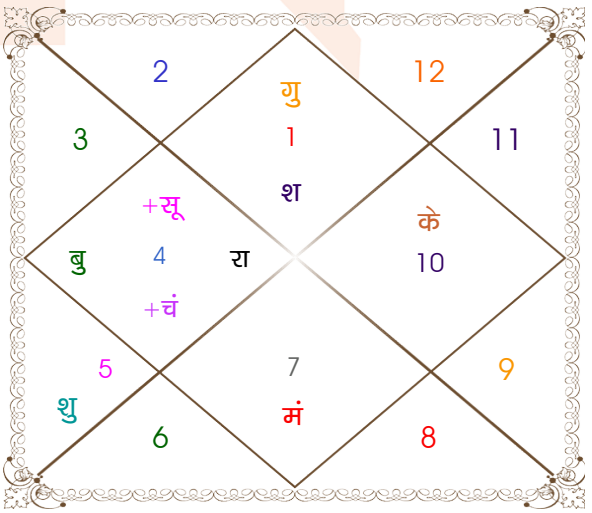

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Dnyanesh का वर्ग सिंह है तथा ।चंतदं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dnyanesh और ।चंतदं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Dnyanesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

।चंतदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ।चंतदं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Dnyanesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Dnyanesh तथा ।चंतदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।